

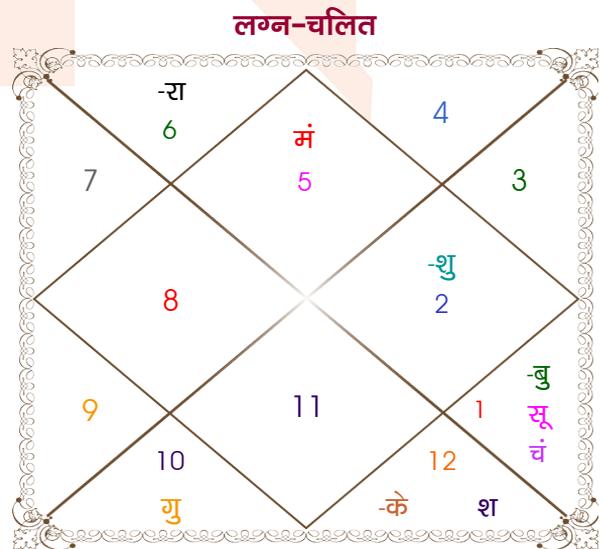
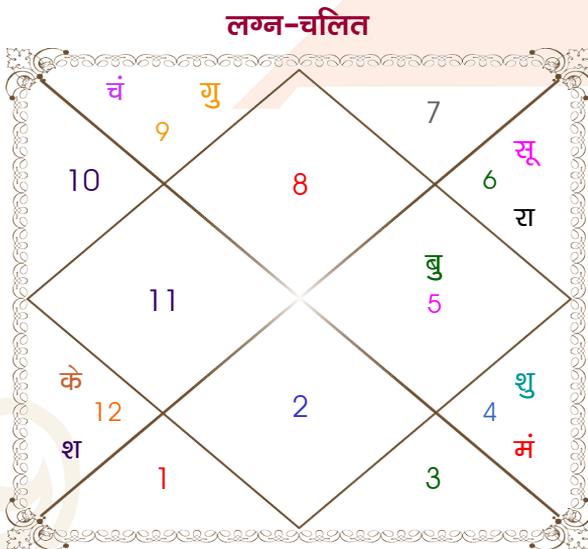


Model: Web-FreeMatching

Order No: 120932702

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
20/09/1996 :	जन्म तिथि	: 07/05/1997
शुक्रवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 10:50:00 :	जन्म समय	: 14:34:00 घंटे
घटी 12:19:41 :	जन्म समय(घटी)	: 22:54:35 घटी
India :	देश	: India
Lucknow :	स्थान	: Hardoi
26:50:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:23:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 80:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:09:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:54:07 :	सूर्योदय	: 05:26:29
18:04:59 :	सूर्यास्त	: 18:46:15
23:48:43 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 9मा 2दि		07:42:18	वृश्चि	लग्न	सिंह	28:28:59	सूर्य 4वर्ष 7मा 21दि	
सूर्य		03:42:58	कन्या	सूर्य	मेष	23:01:36	राहु	
24/06/2023		00:27:39	धनु	चंद्र	मेष	29:41:05	28/12/2018	
24/06/2029		12:38:29	कर्क	मंगल	सिंह	23:28:05	27/12/2036	
सूर्य	12/10/2023	28:26:29	सिंह व	बुध व	मेष	05:43:45	राहु	09/09/2021
चन्द्र	12/04/2024	14:26:39	धनु	गुरु	मक	26:22:33	गुरु	03/02/2024
मंगल	17/08/2024	20:22:41	कर्क	शुक्र	वृष	02:03:50	शनि	10/12/2026
राहु	12/07/2025	10:39:55	मीन व	शनि	मीन	20:58:12	बुध	28/06/2029
गुरु	30/04/2026	14:14:08	कन्या व	राहु व	कन्या	03:54:10	केतु	16/07/2030
शनि	12/04/2027	14:14:08	मीन व	केतु व	मीन	03:54:10	शुक्र	16/07/2033
बुध	17/02/2028	06:59:28	मक व	हर्ष	मक	14:50:25	सूर्य	10/06/2034
केतु	24/06/2028	01:14:17	मक व	नेप व	मक	06:07:50	चन्द्र	10/12/2035
शुक्र	24/06/2029	06:58:46	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	10:53:46	मंगल	27/12/2036



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग गरुड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।